



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 26—अक्टूबर 2, 2009 (आश्विन 4, 1931)  
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26—OCTOBER 2, 2009 (ASVINA 4, 1931)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .....	957	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .....	905	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश .....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं .....	75	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .....	3155
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं ...	1529	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस .....	*
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम .....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ .....	*	भाग III—खण्ड-4—विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं .....	6103
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट .....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस ....	337
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्णक .....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*		

## CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	957	than the Administration of Union Territories).....	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .....	905	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) .....	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	75	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .....	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence.....	1529	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India .....	3155
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs.....	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations .....	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners.....	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills.....	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies.....	6103
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).....	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies .....	337
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi.....	*

\*Folios not received.

**भाग I—खण्ड 1****[PART I—SECTION 1]**

**[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अगस्त 2009

सं. पीएफजी (622)/2000-प्रशा.-II--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209क की उपधारा (1) के खंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा श्री वी. के. खूबचंदानी को कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय (उ. क्षे.) नोएडा में उप-निदेशक के पद पर उक्त धारा के उद्देश्यों के लिए प्राधिकृत करती है।

जे. एस. गुप्ता  
अवर सचिव

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 2009

संकल्प

सं. 6/6/2009-ई एण्ड एमडीए--सरकार के दिनांक 12.02.2009 के संकल्प सं. 6/6/2009-ई एण्ड एमडीए को जारी रखते हुए, सरकार ने यह निर्णय लिया है कि पूर्वोक्त संकल्प में उल्लिखित राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता के विस्तारित लाभों को दिनांक 31.03.2010 तक बढ़ाया जाएगा तत्पश्चात् उसकी पुनरीक्षा की जाएगी :--

आदेश

निम्नलिखित को संकल्प की एक-एक प्रति संप्रेषित करने का आदेश दिया जाता है :--

1. वित्त सचिव, भारत सरकार
2. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ईसीजीसी, मुम्बई
3. अध्यक्ष एनईआई ए, न्यास

संकल्प को आम सूचना हेतु भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित करने का आदेश दिया जाता है।

आर. बी. जोशी  
उप सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 2009

सं. एफ.-9-48/2004-यू.-3--जबकि केन्द्र सरकार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत किसी उच्चतर अध्ययन शिक्षा संस्था को "सम-विश्वविद्यालय" घोषित करने की शक्ति प्राप्त है;

2. और जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर (i) जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा कॉलेज, वर्धा और (ii) शरद पवार दंत चिकित्सा कॉलेज, वर्धा सहित दत्ता मेधे आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र को उपर्युक्त अधिनियम के उद्देश्यार्थ इस मंत्रालय की दिनांक 24 मई, 2005 की सम-संख्यक अधिसूचना के जरिए अनंतिम रूप से पांच वर्ष की अवधि के लिए 'सम-विश्वविद्यालय संस्था' कतिपय शर्तों के अधीन घोषित किया गया था;

3. और इसके अतिरिक्त जबकि इस 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था ने (i) महात्मा गांधी आयुर्वेदिक कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, वर्धा, (ii) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा और (iii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा सहित अपने अधिकार क्षेत्र की कुछ संस्थाओं को शामिल करने के लिए फरवरी, 2007 में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था;

4. और जबकि, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने दिनांक 14 मई, 2008 के अपने प्रपत्र संख्या एफ. 6-98/2004 (सीपीपी-I) के जरिए इस मंत्रालय को यह सिफारिश की थी कि 'सम-विश्वविद्यालय संस्था' दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान के अधिकार क्षेत्र में निम्नलिखित तीन कॉलेजों को इस शर्त के अधीन शामिल किया जाए कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रारंभ में तीन वर्षों के लिए और इसके बाद प्रत्येक पांच वर्षों के बाद इन कॉलेजों के समग्र निष्पादन का वार्षिक अनुवीक्षण करेगा;

- (i) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा
- (ii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा
- (iii) महात्मा गांधी आयुर्वेदिक कॉलेज, वर्धा

5. इसलिए अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर केन्द्र सरकार एतद्वारा दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर, महाराष्ट्र एक 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था के अधिकार क्षेत्र के तहत उपर्युक्त अधिनियम के उद्देश्यार्थ परवर्ती संघटक शिक्षण इकाइयों के रूप में निम्नलिखित शर्तों के अधीन (i) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा (ii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा और (iii) महात्मा गांधी आयुर्वेदिक कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, वर्धा को शामिल करती है;

- (i) दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर एक 'सम-विश्वविद्यालय संस्था' को केवल अगले अकादमिक वर्ष अर्थात् 2009-2010 से ही अपने नामांकन के तहत उपर्युक्त तीन कॉलेजों (संबंधित सांविधिक परिषदों द्वारा यथा-अनुमोदित) के अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को दाखिल करने की अनुमति प्राप्त होगी;
- (ii) संबंधित 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था की संघटक शिक्षण इकाइयों के रूप में (i) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा, (ii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा की उद्घोषणा उनके संबंधन विश्वविद्यालय अर्थात् महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र से उनका संबंधन समाप्त होने की तारीख से प्रभावी होगी;
- (iii) दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान, नागपुर 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था के रूप में उपर्युक्त कॉलेजों के अकादमिक पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के संबंध में केवल उन्हीं विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करेगा जिन्हें इन कॉलेजों में अकादमिक वर्ष 2009-2010 में तथा इसके बाद दाखिल किया जाएगा;
- (iv) जहां तक (i) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा और (ii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा में पहले से ही दाखिल किए गए विद्यार्थियों का संबंध है, वे अपने अकादमिक पाठ्यक्रमों/अध्ययन कार्यक्रमों को महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक (संबंधन विश्वविद्यालय) के नामांकन और संबंधन के तहत जारी रखेंगे और यही विश्वविद्यालय उनकी परीक्षाएं आयोजित करेगा तथा इन तीनों कॉलेजों में इस समय जारी अध्ययन पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक पूरा करने पर डिग्रियां प्रदान करेगा।
- (v) उपर्युक्त पैरा 5 में की गई उद्घोषणा में केवल उन्हीं अकादमिक पाठ्यक्रमों, जो महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक के संबंधन के तहत इस समय (i) रविनायर फिजियोथेरेपी कॉलेज, वर्धा (ii) श्रीमती राधिकाबाई मेघे स्मारक नर्सिंग कॉलेज, वर्धा में संचालित किए जाते हैं तथा ऐसे पाठ्यक्रमों जो संबंधित 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था द्वारा प्रासंगिक सांविधिक परिषदों (जैसे भारतीय नर्सिंग परिषद् इत्यादि) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानदंडों के अनुसार भविष्य में संचालित किए जा सकते हैं, को शामिल किया जाएगा।
- (vi) संबंधित 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था के तहत महात्मा गांधी आयुर्वेदिक कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, वर्धा को शामिल करने के लिए पैरा 5 में की गई उद्घोषणा में केवल बीएएमएस पाठ्यक्रम को ही शामिल किया जाएगा जो उक्त कॉलेज में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमोदन से केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली के मानदंडों के अनुसार संचालित किया जाता है।
- (vii) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एक विशेषज्ञ समिति के माध्यम से प्रारंभ में तीन वर्षों के लिए और इसके बाद प्रत्येक पांच वर्षों के लिए उपर्युक्त तीनों कॉलेजों के समग्र निष्पादन का वार्षिक अनुवीक्षण करेगा। 'सम-विश्वविद्यालय' संस्था और इसकी संघटक शिक्षण इकाइयां दोनों ही प्रबंधन, अकादमिक विकास और सुधार के संबंध में इस प्रकार की समीक्षाओं के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों को पालन करने के लिए बाध्य होंगे।

6. उपर्युक्त पैरा 5 में की गई घोषणा इस अधिसूचना के पृष्ठांकन की क्रम संख्या 9 में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने के भी अधीन होगी।

7. न तो भारत सरकार और न ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान संस्थान अथवा इसकी किसी संघटक शिक्षण इकाई को योजनागत अथवा योजनेतर सहायता अनुदान प्रदान करेंगे।

सुनिल कुमार  
संयुक्त सचिव

## संस्कृति विभाग

( भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण )

नई दिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 2009

सं. एफ. 9/2/2008-ई.ई. (सी.ए.बी.ए.)--पुरातात्विक अनुसंधानों संबंधी कार्यों में संलग्न भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ तथा पुरातात्विक सिद्धांतों के अनुप्रयोग से संबंधित अध्ययन कर रही तथा भावी पुरातत्वविदों को प्रशिक्षित कर रही अन्य संस्थाओं के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के घनिष्ठ सम्पर्कों को प्रोत्साहित करने की तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्यकलापों के साथ भारत की विद्वत् सोसाइटियों तथा राज्य सरकारों के साथ घनिष्ठ संबंध प्रदान करने की दृष्टि से, राष्ट्रपति केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन, उसकी निम्नलिखित संरचना तथा कार्यों के साथ, इसके प्रकाशन की तारीख से चार वर्ष की अवधि के लिए करते हैं :--

## संरचना

## अध्यक्ष

1. संस्कृति मंत्री, भारत सरकार

## सदस्य

2. सचिव, भारत सरकार, संस्कृति विभाग
3. महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
4. अपर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
5. संयुक्त सचिव, भारत सरकार, संस्कृति विभाग ( भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से संबंधित )
6. सचिव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, पर्यावरण विभाग
7. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
8. महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
9. महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली
10. महानिदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहर लाल नेहरू रोड, कोलकाता-700016
11. महानिदेशक, पर्यटन, भारत सरकार, परिवहन भवन, नई दिल्ली
12. महासर्वेक्षण, भारतीय सर्वेक्षण, कैन्ट रोड, देहरादून ( उत्तरांचल )
13. मुख्य अभियंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, नई दिल्ली
14. मुख्य योजनाकार, नगर और ग्राम योजना संगठन, शहरी विकास एवं गरीबी उपशमन मंत्रालय, ई ब्लॉक, विकास भवन, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली-110002
15. निदेशक, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, 4, ब्लॉक बी, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली-110002
16. निदेशक, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन एजेंसी, डाटा सेंटर, बालानगर, हैदराबाद-37
17. अध्यक्ष, इटैक 71, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली-110003
18. संसद के तीन सदस्य, राज्य सभा से निर्वाचित एक सदस्य तथा लोक सभा से निर्वाचित दो ( संबंधित सचिवालयों द्वारा अलग से अधिसूचित किया जाना है )
- 19 से 23. भारतीय इतिहास कांग्रेस/अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन/एशियाटिक सोसाइटी/भारतीय पुरातत्व सोसाइटी/भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् का एक-एक नामजद व्यक्ति
- 24 से 29. विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित नामितियों की सूची में से भारत सरकार द्वारा नामांकित भारतीय इतिहास; संस्कृति एवं पुरातत्व के विश्वविद्यालय प्रोफेसर की श्रेणी के भारत के विश्वविद्यालयों के छः प्रतिनिधि
  - (1) प्रोफेसर अनूपा पाण्डे, विभागाध्यक्ष, कला तथा संग्रहालय विज्ञान इतिहास विभाग, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, जनपथ, नई दिल्ली।
  - (2) प्रोफेसर जी. सुब्बय्या, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, विश्व-भारती, शान्ति निकेतन, पश्चिम बंगाल।

- (3) प्रोफेसर के. के. भान, पुरातत्व तथा प्राचीन इतिहास विभाग, कला संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदा, बड़ोदरा, गुजरात।
- (4) प्रोफेसर वी. एस. शिन्दे, एशियन पुरातत्व के प्रोफेसर, दक्कन कॉलेज, पुणे, महाराष्ट्र।
- (5) प्रोफेसर बी. एल. भदानी, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़-202002 (उ. प्र.)।
- (6) प्रोफेसर विभा त्रिपाठी, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ. प्र.)।
30. संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्रों के सचिव या निदेशक पुरातत्व या उनके नामिती।
- 31 से 32 पुरातत्वीय अध्ययनों में रुचि रखने वाले दो वैज्ञानिक
- (1) प्रो. डी. पी. अग्रवाल, लोक विज्ञान केन्द्र, आशीर्वाद, पूर्व पोखरखली, अल्मोड़ा-263601 (उत्तराखण्ड)।
- (2) डॉ. रजनीकांत चौधरी, निदेशक, भौतिक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा।
33. निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, पलदी, अहमदाबाद-380007।
34. निदेशक, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा।
- 35 से 39 भारत सरकार द्वारा उनकी वैयक्तिक क्षमता में नामित पांच व्यक्ति जिनमें ऐसे दो व्यक्ति भी शामिल हों जो ऐसे संस्थानों से संबंधित हैं तथा जो वास्तव में पुरातात्विक क्षेत्रगत कार्यों में कार्यरत हैं।
- (1) डॉ. के. वी. रमेश, पूर्व संयुक्त महानिदेशक (पुरालेखविद्), अभ्युदय सं. 71, जे ब्लाक, रमन महर्षि रोड, कुवेम्पू नगर, मैसूर, कर्नाटक।
- (2) डॉ. गौतम सेन गुप्ता, निदेशक, राज्य पुरातत्व विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।
- (3) डॉ. आई. के. शर्मा, पूर्व निदेशक, सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।
- (4) प्रो. वी. एच. सोनावाने, पूर्व अध्यक्ष, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा।
- (5) डॉ. रीमा हूजा, राजस्थान अध्ययन संस्थान, राजस्थान।
- 40 से 46 सिन्धु घाटी—लिपि :
- (1) प्रो. के. पड्डय्या, पूर्व निदेशक, दक्कन कॉलेज, पुणे।
- (2) प्रो. के. राजन, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय।
- (3) श्री आई, महादेवन।
- (4) श्री एस. आर. राव, 1233, 34वां क्रॉस, 26 ए मेन, चौथा ब्लाक, जयनगर, बंगलौर-560041।
- (5) प्रो. एम. के. पाल, पूर्व निदेशक, साहा नाभिकीय भौतिकी संस्थान, कोलकाता।
- (6) प्रो. आर. सुब्बारायालू, पूर्व तमिल विश्वविद्यालय, तन्जौर, तमिलनाडु।
- (7) प्रो. एस. सेट्टर, पूर्व अध्यक्ष, आई.सी.एच.आर., नई दिल्ली।
- 47 से 48 अन्य :
- (1) प्रो. इम्तियाज अहमद, अध्यक्ष, खुदा बक्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना, बिहार।
- (2) प्रो. शीरीन मूसवी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।
- 49 से 58 भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक
- (1) प्रो. बी. बी. लाल, एफ-7, हौज खास इन्कलेव, हौज खास, नई दिल्ली।
- (2) डॉ. एम. एस. नागाराजा राव, 15, गंगोत्री ले आउट, दूसरी स्टेज, सरस्वती पुरम, मैसूर-570009।
- (3) श्री आर. सी. त्रिपाठी, ए-1055, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016।
- (4) डॉ. एस. के. महापात्रा, 21 सत्य नगर, भुवनेश्वर-751007, उड़ीसा।
- (5) श्री बी. पी. सिंह, सिविकम के राज्यपाल, राजभवन, गंगटोक-737101।
- (6) श्रीमती कोमल आनन्द, 16, निजामुद्दीन पूर्व, दूसरी मंजिल, नई दिल्ली।
- (7) श्रीमती कस्तूरी गुप्ता मेनन, पी 404/5, गरियाहाट रोड, कोलकाता-700029, पश्चिम बंगाल।
- (8) श्रीमती गौरी चटर्जी, सी-11/15, तिलक लेन, नई दिल्ली-110001।

- (9) श्री सी बाबू राजीव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ए बी जी इन्फ़ालौजिस्टिक्स, पांचवीं मंजिल, भूपति चेम्बर्स, मैथ्यू रोड, मुम्बई-400004।
- (10) श्रीमती अंशु वैश्य, सी-11/16, तिलक लेन, नई दिल्ली-110001।

## सदस्य सचिव

59. संयुक्त महानिदेशक/निदेशक (अन्वेषण एवं उत्खनन) यह बोर्ड, इसके सदस्यों द्वारा भेजे गए भारत में पुरातत्व संबंधी मामलों पर भारत सरकार को सलाह देगा। यह सरकार के विचारार्थ ऐसे मामलों में सुझाव भी दे सकता है। बोर्ड, जब कभी आवश्यक होगा, अपने सम्मुख विशिष्ट मुद्दों की जांच करने एवं उन पर रिपोर्ट देने के लिए उप-समितियां गठित कर सकता है।

2. बोर्ड की बैठक वर्ष में एक बार होगी, बैठक की तिथि एवं स्थान अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जाएगा।
3. बोर्ड के लिए चुने जाने वाले संसद सदस्यों का कार्यकाल सदन की सदस्यता के उनके कार्यकाल तक सीमित होगा, जिसमें उन्हें चुना गया है।
4. राष्ट्रपति सहर्ष यह आदेश करते हैं कि केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड निम्नलिखित संरचना एवं कार्यों के लिए स्थायी समिति गठित करेगा।

## संरचना

महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अध्यक्ष एवं संयोजक

## सदस्य

बोर्ड के पांच सदस्यों का चुनाव बोर्ड के सदस्यों द्वारा अपने में से किया जायेगा।

## कार्य

सामान्यतया यह स्थायी समिति इस बोर्ड को देश में पुरातत्वीय निष्पादन के उन्नयन में सलाह देगी एवं इसे भेजी गई सभी रिपोर्टों एवं मर्दों पर विचार करेगी और बोर्ड की बैठक की कार्य सूची पर अपने विचार व्यक्त करने के साथ-साथ सरकार अथवा समिति के अध्यक्ष के ऐसे कार्य करेगी जो इसे सौंपे गए हों। यह, जब कभी आवश्यक होगा, सहयोजित करने के अधिकार के साथ उपसमितियां गठित कर सकती है। इसकी बैठकें वर्ष में दो बार से अधिक नहीं होंगी।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि सभी संबंधितों को संकल्प की प्रति भेजी जाए।

कैलाश नाथ श्रीवास्तव  
महानिदेशक

-----

## MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

New Delhi, the 6th August 2009

No. PFG (622)/2000-Admn.II—In exercise of the powers conferred by Clause (ii) of Sub-Section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956, the Central Government hereby authorize Shri V. K. Khubchandani, Deputy Director in the Office of regional Director (Northern Region) Ministry of Corporate Affairs, Noida for the purpose of the said section.

J. S. GUPTA  
Under Secy.

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

New Delhi, the 11th September 2009

## RESOLUTION

No. 6/6/2009-E&MDA—In continuation of Government Resolution No. 6/6/2009-E&MDA dated 12.02.2009, Government has decided that the expanded benefits of National Export Insurance Account mentioned in the aforesaid resolution would be extended upto 31.03.2010 and would be reviewed thereafter.

## ORDER

Ordered that a copy of the resolution be communicated to:—

1. Finance Secretary, Government of India
2. Chairman & Managing Director, ECGC, Mumbai
3. Chairman, NEIA Trust

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. B. JOSHI  
Dy. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT  
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 23rd July 2009

No. F-9-48/2004-U.3—Whereas the Central Government is empowered under Section 3 of the University Grants Commission (UGC) Act, 1956 to declare, on the advice of the UGC, an institution of higher learning as a deemed-to-be-university :

2. And whereas, on the advice of the UGC, Datta Meghe Institute of Medical Sciences, Nagpur, Maharashtra, comprising (i) Jawaharlal Nehru Medical College, Wardha and (ii) Sharad Pawar Dental College, Wardha, was declared as an 'Institution Deemed-to-be-University', for the purposes of the aforesaid Act, provisionally for a period of five years, vide this Ministry's notification of even number dated the 24th May, 2005, subject to certain conditions;

3. And further whereas, the Institution "Deemed-to-be-University" had submitted a proposal in February, 2007 for inclusion of few institutions, which included (i) Mahatma Gandhi Ayurvedic College, Hospital & Research Centre, Wardha, (ii) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha and (iii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha, under its ambit;

4. And whereas, the UGC vide its communication bearing No. F. 6-98/2004 (CPP-I) dated the 14th May, 2008 had recommended to the Ministry of Human Resource Development that the following three colleges may be included under the ambit of Datta Meghe Institute of Medical Sciences, an institution 'Deemed-to-be-University', subject to a condition that the Overall performance of these colleges shall be monitored annually, initially for three years, and subsequently after every five years, by the UGC;

- (i) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha
- (ii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha.
- (iii) Mahatma Gandhi Ayurved College, Wardha.



5. Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 3 of the UGC Act, 1956, the Central Government, on the advice of the UGC, do hereby include (i) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha, (ii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha and (iii) Mahatma Gandhi Ayurvedic College, Hospital & Research Centre Wardha, under the ambit of Datta Meghe Institute of Medical Sciences, an institution 'Deemed-to-be-University', Nagpur, Maharashtra as the latter's constituent teaching units for the purposes of the aforesaid Act, subject to the following conditions :

- (i) It shall be permissible for Datta Meghe Institute of Medical Sciences, an institution 'Deemed-to-be-University', Nagpur, to admit students to the academic courses/programmes of the aforesaid three colleges (as approved by the respective Statutory Councils), under its enrolment, only with effect from the next academic year, i.e. 2009-2010.
- (ii) The declaration of (i) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha and (ii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha, as the constituent teaching units of the institution 'Deemed-to-be-University' concerned shall take effect from the date of their disaffiliation from their affiliating university, namely, Maharashtra University of Health Sciences, Nashik, Maharashtra;
- (iii) Datta Meghe Institute of Medical Sciences, Nagpur, as an institution 'Deemed-to-be-University', shall award degrees in respect of the academic courses/programmes of the aforesaid colleges only to those students who shall be admitted to these colleges from the academic year 2009-2010 onwards;
- (iv) As for the students who were already admitted to (i) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha and (ii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha, they shall continue to pursue their academic courses/programmes of study under the enrolment and affiliation of the Maharashtra University of Health Sciences, Nashik (affiliating university), which shall conduct their examinations and award degrees to them upon successful completion of the courses/programmes of study they are pursuing at these colleges presently.
- (v) The declaration as made in Para 5 above shall cover only those academic courses that are conducted at present by (i) Ravi Nair Physiotherapy College, Wardha and (ii) Smt. Radhikabai Meghe Memorial College of Nursing, Wardha, under affiliation to the Maharashtra University of Health Sciences, Nashik and those courses that the 'Institution Deemed-to-be-University' concerned (such as the Indian Council of Nursing, etc.) and the UGC;
- (vi) The declaration as made in para 5 for inclusion of Mahatma Gandhi Ayurvedic College, Hospital & Research Centre, Wardha, under the 'Institution Deemed-to-be-University' concerned shall presently cover only the B.A.M.S. course which is conducted at the said College with the approval of Ministry of Health and Family Welfare and as per the norms of the Central Council for Indian Medicine, New Delhi;
- (vii) The overall performance of the aforesaid three colleges shall be monitored by the UGC, annually, through an Expert Review Committee, initially for three years, and subsequently, after every five years. The directions that shall be given by the UGC upon such 'reviews' in the matter of management, academic development and improvement shall be binding on both the 'Institution Deemed-to-be-University' and its constituent teaching units.

6. The declaration as made in Para 5 above is further subject to fulfillment of the conditions mentioned at Sr. No. 9 of the endorsement to this notification;

7. Neither the Government of India nor the UGC shall provide any Plan or Non-Plan grant-in-aid to Datta Meghe Institute of Medical Sciences or any of its constituent teaching units.

SUNIL KUMAR  
Jt. Secy.

DEPARTMENT OF CULTURE  
(ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

New Delhi-110011, the 15th September 2009

No. F. 9/2/2008-EE (CABA)—With a view to promoting closer contacts of the Archaeological Survey of India with Indian Universities conducting archaeological researches and other institutions carrying out studies related to application of archaeological principles, training future archaeologists, and providing for closer association of learned societies in India and of the State Governments with the activities of the Archaeological Survey of India, the President is pleased to reconstitute the Central Advisory Board of Archaeology for a period of four years from the date of publication with the following composition and functions :—

## COMPOSITION :

## Chairman

- I. Minister of Culture, Government of India.

## Members

- II. Secretary to the Government of India, Department of Culture.
- III. Director General, Archaeological Survey of India.
- IV. Additional Director General, Archaeological Survey of India.
- V. Joint Secretary to the Government of India, Department of Culture (dealing with ASI).
- VI. Secretary, Ministry of Environment and Forests, Department of Environment.
- VII. Chairman, University Grants Commission.
- VIII. Director General, Council of Scientific and Industrial Research.
- IX. Director General, National Museum, Janpath, New Delhi.
- X. Director General, Anthropological Survey of India, 27 Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016.
- XI. Director General of Tourism, Government of India, Transport Bhawan, New Delhi.
- XII. Surveyor General, Survey of India, Cantt. Road, Dehradun (Uttarakhand).
- XIII. Chief Engineer, Central Public Works Department, Nirman Bhawan, New Delhi-11.
- XIV. Chief Planner, Town and Country Planning Organisation, Ministry of Urban Development & Poverty Alleviation, E-Block, Vikas Bhawan, I.P. Estate, New Delhi-110002.
- XV. Director, School of Planning and Architecture, 4, Block B, I.P. Estate, New Delhi-110002.
- XVI. Director, National Remote Sensing Agency, Data Centre, Balanagar, Hyderabad-37.
- XVII. Chairman, INTACH, 71, Lodhi Estate, New Delhi-110003.
- XVIII. Three Members of Parliament, one elected from Rajya Sabha and two elected from Lok Sabha (to be notified separately by the respective Secretariats.)
- XIX. to XXIII. A nominee each of Indian History Congress/All India Oriental Conference/Asiatic Society/Indian Archaeological Society/Indian Council of Historical Research.
- XXIV. to XXIX. Six representatives of the Universities of India of the Rank of University Professor of Indian History; Culture and Archaeology nominated by the Government of India from a list of nominees recommended by the Universities.
- (i) Prof. Anupa Pande, Head of the Department, Department of History of Art & Museology, National Museum Institute, Janpath, New Delhi.
- (ii) Prof. G. Subbiah, Department of Ancient Indian History, Culture & Archaeology, Visva-Bharti, Santiniketan, West Bengal.
- (iii) Prof. K. K. Bhan, Department of Archaeology & Ancient History, Faculty of Arts, M.S. University of Baroda, Vadodara, Gujarat.
- (iv) Prof. V. S. Shinde, Prof. of Asian Archaeology, Deccan College, Pune, Maharashtra.
- (v) Prof. B. L. Bhadani, Department of History, Aligarh Muslim University, Aligarh-202002 (U.P.).
- (vi) Prof. Vibha Tripathi, Department of Ancient Indian History, Culture and Archaeology, Banaras Hindu University, Varanasi (U.P.).
- XXX. Secretary or Director Archaeology or their nominee of the State Government/Union Territories concerned.
- XXXI. to XXXII. Two Scientists having interest in Archaeological Studies :
- (i) Prof. D. P. Agarwal, Lok Vigyan Kendra, Ashirwad, East Pokharkhali, Almora-263601 (Uttarakhand).
- (ii) Dr. Rajni Kant Choudhury, Director Institute of Physics, Bhubaneswar, Orissa.
- XXXIII. Director, National Institute of Design, Paldi, Ahmedabad-380007.

XXXIV. Director, National Institute of Oceanography, Goa.

XXXV. to XXXIX. Five persons nominated in their personal capacities by the Government of India including two persons belonging to Institutions actually engaged in Archaeological Field Work.

- (i) Dr. K. V. Ramesh, Former Joint Director General (Epigraphist), Abhyudaya No. 71, J Block, Raman Maharshi Road, Kuvempu Nagar, Mysore, Karnataka.
- (ii) Dr. Gautam Sen Gupta, Director, State Department of Archaeology, Government of West Bengal, Kolkata, West Bengal.
- (iii) Dr. I. K. Sarma, Former Director, Salar Jung Museum, Hyderabad, A. P.
- (iv) Prof. V. H. Sonawane, Former Head, M. S. University, Vadodara.
- (v) Dr. Rima Hooja, Institute of Rajasthan Studies, Rajasthan.

XL. to XLVI. Indus Valley Script :

- (i) Prof. K. Paddayya, Former Director, Deccan College, Pune.
- (ii) Prof. K. Rajan, University of Pondicherry.
- (iii) Shri I. Mahadevan.
- (iv) Shri S. R. Rao, 1233, 34th Cross, 26 A Main, IV T Block, Jayanagar, Bangalore-560041.
- (v) Prof. M. K. Pal, Former, Director, Saha Institute of Nuclear Physics, Kolkata.
- (vi) Prof. R. Subbarayalu, Former Tamil University, Tanjore, Tamil Nadu.
- (vii) Prof. S. Settari, Former Chairman, ICHR, New Delhi.

XLVII. to XLVIII. Others :

- (i) Prof. Imtiaz Ahmed, Head of Khuda Baksh Oriental Public Library, Patna, Bihar.
- (ii) Prof. Shireen Moosvi, Aligarh Muslim University, Aligarh (U.P.).

XLIX. to LVIII. Ex-Directors General of Archaeological Survey of India

- (i) Prof. B. B. Lal, F-7, Hauz Khas Enclave, Hauz Khas, New Delhi.
- (ii) Dr. M. S. Nagaraja Rao, 15, Gangotri Layout, 2nd Stage, Saraswati Puram, Mysore-570009.
- (iii) Shri R. C. Tripathi, A-1055, Indira Nagar, Lucknow-226016.
- (iv) Dr. S. K. Mahapatra, 21, Satya Nagar, Bhubaneswar-751007, Orissa.
- (v) Shri B. P. Singh, Governor of Sikkim, Raj Bhawan, Gangtok-737101.
- (vi) Smt. Komal Anand, 16, Nizamuddin East, 2nd Floor, New Delhi.
- (vii) Smt. Kasturi Gupta Menon, P-404/5, Gariahat Road, Kolkata-700029, West Bengal.
- (viii) Smt. Gauri Chatterjee, C-II/15, Tilak Lane, New Delhi-110001.
- (ix) Shri C. Babu Rajeev, Chief Executive Officer, ABG Infralogistics, 5th floor Bhupati Chambers, Mathew Road, Mumbai-400004.
- (x) Smt. Anshu Vaish, C-II/16, Tilak Lane, New Delhi-110001

Member Secretary

LIX. Joint Director General/Director (Exploration & Excavation)

#### FUNCTIONS:

The Board shall advise the Government of India on matters relating to Archaeology in India referred to it by its members. It may also make suggestions on such matters for the consideration of the government. The Board may set up Sub Committees, as and when necessary, to examine and report on specific issues before it.

2. The Board shall meet once in a year, the dates and venue of the meeting to be decided by the Chairman.

3. The tenure of the Members of Parliament elected to be members of the Board shall be limited to the tenure of their Membership of the House which elected them.

4. The President is also pleased to order that the Central Advisory Board of Archaeology shall set up a Standing Committee with the following Composition and Functions.

#### COMPOSITION

##### CHAIRMAN and CONVENOR

Director General, Archaeological Survey of India

##### MEMBERS

Five members of the Board to be elected by the members of the Board from amongst themselves

##### FUNCTIONS:

The Standing Committee shall advise this board generally on the promotion of Archaeological Pursuance in the country, consider all reports and items referred to it and express its views on the agenda for the Board's meeting and perform such other functions as the Government or the Chairman of the Committee may assign to it. It may set up Sub-Committees as and when necessary with power to co-opt. It may meet not more than twice a year.

##### ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

KAILASH NATH SHRIVASTAVA  
Director General